



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं
(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)



केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांक: 15 मार्च 2019

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र,

जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

| मौसमी तत्व / दिनांक | 16/03/19 | 17/03/19 | 18/03/19 | 19/03/19 | 20/03/19 |
|-----------------------------------|----------|-----------------|----------------------------|----------------------------|----------------------------|
| वर्षा (मि.मी.) | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 |
| अधिकतम तापमान (°सेल्सियस) | 29 | 30 | 30 | 31 | 31 |
| न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस) | 15 | 16 | 16 | 17 | 17 |
| बादलों की स्थिति (ओक्टा) | 2 | 2 | 4 | 5 | 2 |
| सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह | 75 | 79 | 79 | 80 | 74 |
| सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम | 25 | 26 | 24 | 28 | 26 |
| हवा की गति (कि.मी/घंटा) | 9 | 8 | 9 | 9 | 9 |
| हवा की दिशा | उत्तर | उत्तर- पूर्व | उत्तर- उत्तर- पश्चिम | पूर्व- दक्षिण- पूर्व | उत्तर- उत्तर- पश्चिम |

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाह:

| फसल | अवस्था | सलाह |
|--------------------|-----------|---|
| सरसों | कटाई | सरसों की फसल पकाव अवस्था पर है पकी फसल की कटाई करें एवं सुरक्षित स्थान पर रखें। |
| चना | कटाई | चना की पूर्ण रूप से पकी फसल की कटाई करें तथा सुरक्षित स्थान पर रखें। |
| मिर्च | रोपाई | मिर्च की रोपाई से पूर्व खेत में 75 कि.ग्रा. नत्रजन, 100 कि.ग्रा. फास्फोरस व 80 कि.ग्रा. पोटैश प्रति हेक्टेयर की दर से दें। मिर्च के पौधे बुवाई के 4-5 सप्ताह बाद रोपाई योग्य हो जाते हैं ग्रीष्मकालीन फसल में कतार से कतार की दूरी 60 से.मी. तथा पौधे से पौधे की दूरी 30 से.मी. रखें। |
| ग्रीष्मकालीन भिंडी | वानस्पतिक | ग्रीष्मकालीन भिंडी की फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए निराई गुडाई करें। |
| सब्जियां | | सब्जियों वाली फसलों में सिंचाई करें। |
| पशु | | पशुओं को दिन के समय बढ़ती गर्मी के कारण अचित मात्रा में स्वच्छ पीने का पानी उपलब्ध कराएं। |

(नौडल ऑफीसर)